भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 827

उत्तर देने की तारीख 07.02.2022

'युवाह' कौशल कार्यक्रम

†827. श्री असादूद्दीन ओवैसी :

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यूनिसेफ ने बच्चों को "युवाह स्किल्स" नामक कार्यक्रम के जरिए उद्यमशील रोजगार और सामाजिक कौशल से सशक्त बनाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से पासपोर्ट-टू-अर्निंग (पी2ई) पहल की शुरुआत है;

(ख) यदि हां, तो क्या भारत सहित दस देशों में यह पहल की गई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यूनिसेफ की इस पहल में सीबीएसई के 24000 स्कूलों के शामिल होने की संभावना है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पहल के अंतर्गत कितने बच्चों के लाभान्वित होने की संभावना है; और

(च) सीबीएसई द्वारा इस प्रयोजनार्थ राज्य-वार किन-किन स्कूलों की पहचान की गई है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुभाष सरकार)

(क) से (ग): जैसा कि यूनिसेफ द्वारा सूचित किया गया है, इसने बच्चों को उद्यमशीलता, रोजगार और सामाजिक कौशल में सशक्त बनाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ पासपोर्ट-टू-अर्निंग (पी2ई) कार्यक्रम शुरू किया है। यूनिसेफ ने यह भी बताया गया है कि भारत में पासपोर्ट-टू-अर्निंग (पी2ई) प्रोग्राम को 'युवाह कौशल' नाम दिया गया है।

'युवाह कौशल' (पासपोर्ट-टू-अर्निंग इंडिया) एक ई-लर्निंग समाधान है जिसका उद्देश्य युवाओं को नि:शुल्क, नौकरी से संबंधित कौशल मे सशक्त बनाना है और शिक्षुता, उद्यमिता, रोजगार और सामाजिक प्रभाव के अवसर प्रदान करना है।

यूनिसेफ के अनुसार, भारत पासपोर्ट-टू-अर्निंग (पी2ई) कार्यक्रम शुरू करने वाला पहला देश है। तत्पश्चात, इसे स्थानीय रूप से लागू किया जाएगा और वैश्विक स्तर पर कई देशों में रोल आउट किया जाएगा, जिसमें अगले 3 वर्षों के भीतर 10 देशों में होने वाले संभावित लक्ष्य रोजगार और भविष्य की तैयारी के लिए आवश्यक 21 वीं सदी के कौशल पर गुणवत्ता सामग्री और प्रशिक्षण तक पहुंच प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

(घ) से (च): सीबीएसई, यूनिसेफ के सहयोग से, अपने सभी संबद्ध स्कूलों के छात्रों को चरणबद्ध तरीके से 'युवाह कौशल' मुफ्त में उपलब्ध करा रहा है।

*****